सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

Savitribai Phule Pune University, Pune

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 [NEP] के अंतर्गत प्रथम वर्ष कला हिंदी का पाठयक्रम

Under The New Education Policy 2020 [NEP] FYBA Hindi Course

बी.ए.प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

DSC-1 Disicipline Specific Course (Group A-Languages)

4 Credit, GE/OE/Generic Elective/Open Elective- 2 Credit, SEC Skill Enhancement Course - 2 Credit

संबद्ध महाविद्यालयों के लिए

For Affiliated colleges

प्रथम वर्ष कला

प्रथम एवं द्वितीय अयन

PROGRAMME OUTCOMES (POs):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थियों में विविध क्षमताओं का विकास होगा।

- **PO 1 Disciplinary Knowledge**
  हिंदी भाषा और साहित्य के बुनियादी तत्व समझ पाएंगे।
- **PO 2 Communication Skills**
  श्रवण, भाषण, वाचन तथा लेखन कौशल से अवगत होंगे।
- **PO 3 Critical Thinking**
  आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी।
- **PO 4 Problem Solving**
  सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, भाषिक समस्याओं समाधान खोजने का प्रयत्न करेंगे।
- **PO 5 Analytical reasoning**
  प्राप्त जानकारी का तटस्थता, आस्वादन और विश्लेषण करना सीखेंगे।
- **PO 6 Research related skills**
  अनुसंधान कार्य के लिए आवश्यक गुणों का विकास होगा।
- **PO 7 Cooperation / Team work**
  लक्ष्य प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रयास करना सीखेंगे।
- **PO 8 Scientific reasoning**
  प्राप्त ज्ञान का वैज्ञानिक दृष्टि से परीक्षण अथवा प्रस्तुतिकरण करना सीखेंगे।
- **PO 9 Reflective thinking**
  वैचारिक गंभीरता अथवा गहराई से विचार करने की प्रवृत्ति विकसित होगी।
- **PO 10 Self-directed learning**
  संबंधित शैक्षिक कार्य का स्वयं अध्ययन करने के लिए बढ़ावा मिलेगा।
- **PO 11 Information / Digital literacy**
  दृकश्राव्य माध्यमों की सहायता से अध्ययन करेंगे।
- **PO 12 Multicultural Competence**
  सांस्कृतिक वैविध्य समझने की क्षमता विकसित होगी।
- **PO 13 Moral / Ethical Values**
  नैतिक मूल्य विकसित होने अथवा आत्मसात करने में सहायता मिलेगी।
- **PO 14 Leadership Readiness**
  विषय से संबंधित क्षेत्र में नेतृत्व करने के कौशल प्राप्त होंगे।
- **PO 15 Life-long Learning**
  निरंतर अध्ययन और अनुसंधान कार्य करने में रुचि निर्माण होगी।

(Program Specific Outcomes (PSOs):

पाठ्यक्रम अध्ययन की विशिष्ट निष्पत्ति

- **PSO 1 Domain Knowledge**
  हिंदी साहित्य अथवा संबंधित पाठ्यक्रम विषयक विविध अवधारणा समझेंगे तथा उसका सौंदर्यशास्त्रीय आकलन होगा।
- **PSO 2 Professional Skills**
  भाषिक कौशल आत्मसात होंगे और तंत्रज्ञान का भाषिक व्यवहार में कुशलतापूर्वक प्रयोग कर सकेंगे।
- **PSO 3 Research**
  हिंदी भाषा और साहित्य संबंधी अनुसंधान कार्य हेतु प्रेरणा मिलेगी।
- **PSO 4 Social Responsibility**
  सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास होगा।
- **PSO 5 Personality Development**
  व्यक्तित्व विकास में सहायता होगी।

अनुक्रम

प्रथम अयन (I Semester)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
HIN : 1	(DSC-1) हिंदी साहित्य विविधा - 1	4	5 to 7
HIN : 2	(GE/OE) व्यावहारिक हिंदी	2	8 to 10
HIN : 3	(SEC) भाषा शिक्षण कौशल	2	11 to 13

द्वितीय अयन (II Semester)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
HIN : 4	(DSC-1) हिंदी साहित्य विविधा - 2	4	15 to 18
HIN : 5	(GE/OE) साहित्य और लेखन कौशल	2	19 to 21
HIN : 6	(SEC) हिंदी कंप्यूटिंग	2	22 to 25

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / प्रथम अयन : (I Semester)

DSC-1 Disicipline Specific Course (Group A-Languages) 4 Credit

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 1 DSC-1	हिंदी साहित्य विविधा -1	4

लक्ष्य (Aim) :

हिंदी कविता के जिस स्वरूप से आज हमारा साक्षात्कार होता है, उसके पीछे शताब्दियों का लंबा और क्रमबद्ध इतिहास है। सच्चाई तो यह है कि 19 वीं शताब्दी तक हिंदी साहित्य का लेखन कविता के रूप में ही होता आया है। आदिकालीन कविताओं में वीर गाथाओं का चित्रण हुआ है। भक्तिकाल में कवियों ने ईश्वर के निर्गुण-सगुण रूपों को साकार किया है। रीतिकाल में नायिका के नखसीख वर्णन के साथ नीति निरूपण भी किया गया है। आधुनिक हिंदी कविता जीवन संबंधित हर विषय पर भाष्य करती है।

इसी तरह हिंदी कहानी भी अपने विशिष्ट रूप में उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध से आरम्भ होती है और आधुनिक हिन्दी कहानी का उत्थान वास्तव में बीसवीं सदी के प्रथम दशक में हुआ है। इस तरह हिन्दी कहानी साहित्य की विकास यात्रा व्यापक है। हिन्दी कहानी-साहित्य अन्य साहित्यांगों की अपेक्षा अधिक गतिशील है। मासिक और साप्ताहिक पत्र-पत्रिकाओं के नियमित प्रकाशन ने इस साहित्य के विकास में बहुत अधिक योग दिया है। फलस्वरूप कहानी-साहित्य में सर्वाधिक प्रयोग हुए हैं।

मनोरंजन की लहरें उठानेवाली कविता और कहानी आज केवल मन को बहलानेवाली बातें नहीं कहती है। उनमें जीवन की गहराई एवं जीवन का सत्य दिखाई देता है। वर्तमान कविता और कहानी का क्षेत्र बहुत व्यापक हो गया है। नीति व्यवहार, मनोविज्ञान, विचार, जीवन के प्रति नई सोच, व्यक्तिगत एवं सामाजिक कई विषयों को कविता और कहानी बयान कर रही है। आज अध्ययन - अध्यापन एवं शोध कार्य की दृष्टि से हिंदी कविता और कहानी साहित्य का क्षेत्र बृहत् है। मानव जाति के लिए वैयक्तिक एवं सहजीवन की दृष्टि से हिंदी कविता और कहानी साहित्य महत्वपूर्ण है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. हिंदी कविता और कहानी साहित्य के इतिहास से अवगत होंगे।
2. हिंदी कविता और कहानी साहित्य के माध्यम से संवाद कौशल सीखेंगे।
3. दृक श्राव्य माध्यमों से साहित्य का आस्वादन करेंगे।
4. विविध सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों से अवगत होंगे।
5. विविध जीवन मूल्यों से परिचय होंगे।
6. साहित्य का अध्ययन कर समाज का तटस्थता से परीक्षण करेंगे ।

7. सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास होगा।
8. मानवीय जीवन विकास हेतु वैज्ञानिक दृष्टि विकसित होगी।
9. सांस्कृतिक वैविध्य की जानकारी मिलेगी।
10. असफल होने पर भी संघर्ष करने की प्रेरणा मिलेगी।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3									2		3			2	3				
CO-2	3	3								2					2	3				3
CO-3	3	3								2	3				2	3				3
CO-4	3		3	3		1			3	2		3		3	2	3		1		3
CO-5	3						3		3	2			3		2	3			3	3
CO-6	3		3	3	3					2					2	3				3
CO-7	3						3		3	2					2	3			3	3
CO-8	2		3					2		2					2	3				2
CO-9	3								3	2		3	3		2	3				2
CO-10	1		3			1			3	2			3		2	3		1		2
Wgt Avg	2.7	3	3	3	3	1	3	2	3	2	3	3	3	3	2	3		1	3	2.66

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I (काव्य)	1. भारत देश - जयशंकर प्रसाद 2. अभी न होगा मेरा अंत -सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' 3. मौन करुणा - रामकुमार वर्मा 4. गीत नया गाता हूँ - अटल बिहारी वाजपेयी 5. सात भाइयों के बीच चंपा - कात्यायनी 6. माँ से प्रार्थना - जयकुमार जलज	15
इकाई - II (काव्य)	1. कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती - सोहनलाल द्विवेदी 2. अपनी भाषा - मैथिलीशरण गुप्त	15

	3. वे और तुम - नागार्जुन 4. जो शिलाएँ तोड़ते हैं - केदारनाथ अग्रवाल 5. पेड़ - ओमप्रकाश वाल्मीकि 6. एकलव्य - कीर्ति चौधरी	
इकाई - III (कहानी)	1. आदर्श बदला - सुदर्शन 2. नशा - प्रेमचंद 3. आँगन का पंछी - विद्यानिवास मिश्र 4. पानी और पुल - महीप सिंह	15
इकाई - IV (कहानी)	1. पढाई - जैनेंद्र कुमार 2. घर - अमरकांत 3. जब मैं फेल हुआ - ए. पी. जे. अब्दुल कलाम 4. जंगल का दाह - स्वयं प्रकाश	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1) 15 अंकों की लाघुत्तरी परीक्षा।
2) 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/ पुस्तक परीक्षण/ क्षेत्र भेंट/ लेखक/कवि का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी

सत्रांत परीक्षा - 70%

1) चारों इकाइयों पर एक -एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न, चार में से किन्हीं दो के उत्तर लिखने होंगे । 2 x 6=12
2) किन्हीं छह प्रश्नों में से तीन के उत्तर लिखने होंगे। पहली और दूसरी इकाई पर तीन प्रश्न।तीसरी और चौथी इकाई पर तीन प्रश्न । 3 x 16=48
3) चारों इकाइयों पर 10 बहुपर्यायी प्रश्न । पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो प्रश्न। तीसरी और चौथी इकाई पर तीन - तीन प्रश्न । 10 x 1 =10

संदर्भ ग्रंथ :

1. मानसरोवर (खण्ड) 1 प्रेमचंद मेधा बुक्स, दिल्ली
2. प्रेमचंद की अमर कहानियाँ सांप. कमलेश पाण्डेय, सुहानी बुक्स, दिल्ली
3. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर, शब्दप्रकाश प्रकाशन, दिल्ली
4. समकालीन हिंदी कहानी - डॉ. पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगड़
5. कहानी नयी कहानी - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
6. हिंदी काव्य संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / प्रथम अयन (I Semester)

GE/OE/Generic Elective/Open Elective (2 Theory)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 2 GE/OE	व्यावहारिक हिंदी	2

लक्ष्य (Aim) :

संसार की हर भाषा अपने विभिन्न सन्दर्भो के दायरे में अर्थपूर्ण होती है। भाषा का महत्व, उसकी उपयोगिता के आधार पर ही होता है। आज हमारी हिंदी इतनी समर्थ हो गयी है कि वह हमारे हर प्रयोजन की पूर्ति में सक्षम एवं समर्थ है। हिंदी की शब्द-सम्पदा काफी बढ़ चुकी है। पारिभाषिक शब्दावली का पर्याप्त विकास हो चुका है। सरकार के कामकाज, संसद की कार्यवाही, विधि विधान, सरकार की नीतियाँ तथा क्रिया-कलाप की जानकारी हमें हिंदी के माध्यम से प्राप्त होती है। अत: प्रशासन और जनता के बीच यह एक सेतु का काम कर रही है। ज्ञान-विज्ञान के समझने का साधन भी हिंदी भाषा है। समाचार, मनोरंजन के साथ-साथ अब तो कम्प्यूटर में भी इसका प्रयोग प्रारम्भ हो चुका है। अतः आज इसकी उपयोगिता अत्यधिक महत्वपूर्ण है। किसी व्यक्ति विशेष द्वारा किसी विषय पर अपने ज्ञान के आधार पर किया गया नया वर्णन जिसमें कि उसके खुद के विचार होते हैं। और देखने में भी एक नई रचना के उत्पन्न होने का भाव होता है, वह रचनात्मक लेख कहलाता है। रचनात्मकता को ही सृजनात्मकता भी कहा जाता है। वास्तव में रचनात्मक लेखन ही सृजनात्मक लेखन है, जिसमें किसी बात को नए तरीके से या नए उपमानों के साथ प्रस्तुत किया जाता है। रचनात्मकता विचारों का उद्‌गम स्थल होती है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्रों को हिंदी भाषा की व्यवहारिक उपयोगिता मालूम होगी।
2. छात्र आधुनिक साहित्यकार और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे।
3. छात्र मौखिक संप्रेक्षण कौशल्य से परिचित होंगे।
4. छात्र सूत्रसंचालक के गुणों से परिचित होंगे।
5. छात्रों को वर्तमान कविताओं में निहित मूल्य तथा प्राकृतिक संवर्धन का उत्तरदायित्व बोध होगा।
6. पत्रलेखन के महत्व और उनकी उपयोगिता को जानेंगे।
7. विज्ञापन लेखन के महत्व और उनकी उपयोगिता प्राप्त करेंगे।
8. छात्रों को ई-मेल, ब्लॉग लेखन का परिचय मिलेगा।
9. छात्रों को रिपोर्ट लेखन के विविध चरणों का परिचय होगा।
10. छात्र रिपोर्ट लेखन के अर्थ, महत्व और उद्‌देश्य को जानेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3	2	2						1	2	1				1	2				2
CO-2	3								1	2	1				1	2				2
CO-3	3	2				1			1	2	1			2	1	2	2		1	2
CO-4	3								1	2	1				1	2	2			2
CO-5	3					1			1	2	1				1	2		1	1	2
CO-6	3	2							1	2	1				1	2		1	1	2
CO-7	3	2							1	2	1				1	2	2	1	1	2
CO-8	3	2							1	2	1				1	2		1	1	2
CO-9	3	2							1	2	1				1	2		1	1	2
CO-10	3	2							1	2	1				1	2		1	1	2
Wgt Avg	3	2	2			1			1	2	1			2	1	2	2	1	1	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, ।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I (कहानी)	1. सवा शेर गेहूं - प्रेमचंद 2. उसने कहा था -चंद्रधर शर्मा गुलेरी 3. बयान - चित्रा मुदगल 4. हंसिका फिर कभी न आई - सूरजपाल चौहान	15
इकाई - II (मौखिक संप्रेषण)	1. वक्तृत्व 2. सूत्रसंचालन 3. साक्षात्कार 4. निबंध लेखन	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा

सत्रांत परीक्षा - 70%

प्रश्न 1. इकाई I पर चार प्रश्न, जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । (शब्द सीमा 300) 7 x 2 =14

प्रश्न 2. इकाई II पर चार प्रश्न जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। 7 x 2 =14

प्रश्न 3.इकाई I व II पर सात बहुपर्यायी प्रश्न 7x1 =7

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी शिक्षण - डॉ. मंजू शर्मा, डॉ. बनवारी लाल जैन, शिक्षा प्रकाशन, जयपुर
2. हिंदी शिक्षण - राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी शिक्षण - उषा सिंहल, सौरभ प्रकाशन, दिल्ली
4. विशुद्ध हिंदी - डॉ. सदानंद भोसले, विकास प्रकाशन, कानपूर

◈ ◈ ◈

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / प्रथम अयन (I Semester)

SEC Skill Enhancement Course - 2 Credit

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 3 SEC	भाषा शिक्षण कौशल	2

लक्ष्य (Aim) :

भाषा मनुष्य के भाव, विचारों को अन्य व्यक्ति के सम्मुख प्रकट करने का महत्वपूर्ण साधन है। सफल और प्रभावोत्पादक संप्रेषण के लिए भाषाई कौशल नितांत आवश्यक है। चूँकि भाषा न सिर्फ संप्रेषण करती है, बल्कि ज्ञानात्मक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी करती है। वास्तव में भाषा कौशल भाषा का व्यावहारिक पक्ष है। व्यक्तित्व के विकास में भाषाई कौशल महत्वपूर्ण है। भाषा पर जिसका अधिकार होता है, उसे रोजगार के अवसर भी ज्यादा उपलब्ध होते हैं। भाषा शिक्षण का कार्य दो स्तरों पर होता है, एक तो भाषा के स्तर पर और दूसरा मानवीय व्यवहार के स्तर पर। इस दृष्टि से स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए भाषा शिक्षण कौशल आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र भाषा कौशल के आधार समझेंगे।
2. भाषाई कौशल के माध्यम से संप्रेषण करेंगे।
3. भाषाई कौशल विकसित कर रोजगार प्राप्त करेंगे।
4. मातृभाषा और अन्य भाषाओं के अंतर को समझेंगे।
5. भाषा कौशल शिक्षण में मनोविज्ञान की उपयुक्तता समझेंगे।
6. भाषा कौशल के राष्ट्रीय, सामाजिक एवं शैक्षिक संदर्भों से अवगत होंगे।
7. दृक-श्राव्य माध्यमों से भाषा प्रयोग की जानकारी मिलेगी।
8. भाषा कौशल निपुणता के तत्वों से अवगत होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3		3		2	1			1	2					1	2				1
CO-2	3	3		2					1	2	3			2	1	2			2	1
CO-3	3	3		2					1	2				2	1	2	2			1
CO-4	3	3	3						1	2					1	2				1
CO-5	3	3	2						1	2					1	2				1
CO-6	3								1	2					1	2				1
CO-7	3	3	2						1	2	3				1	2	2			1
CO-8	3	3	2		2	1			1	2					1	2		1		1
Wgt Avg	3	3	2	2	2	1			1	2	3			2	1	2	2	1		1

शिक्षा विधि (Pedagogy) : व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	1. भाषा शिक्षण कौशल स्वरूप और उपदेश तथा विशेषताएं, महत्व, प्रकार। 2. श्रवण कौशल में उपयुक्त सामग्री ग्रामोफोन, रेडियो, सिनेमा, टेप रिकॉर्डर, टेलीविजन, वीडियो 3. भाषा कौशल निपुणता के तत्व, सर्वमान्य भाषा का प्रयोग, प्रभोवोत्पादक, अवसरानुकूल भाषा, गतिशीलता, स्वाभाविकता, शिष्टाचार उच्चारण की शुद्धता तथा स्पष्टता आदि।	15
इकाई - II	1. वाचन कौशल महत्व एवं भेद, वाचन की विशेषताएं, अक्षरोच्चारण, शब्दोच्चारण, स्वर माधुर्य, उचित गति। प्रभोवोत्पादक, वाचन मुद्रा, वाचन शैली, स्वाभाविकता आदि।	15

	2. लेखन कौशल का महत्व तथा लेखन-शिक्षण के लिए आवश्यक सावधानियां 3. भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय सामाजिक और शैक्षिक संदर्भ 4. भाषा शिक्षण और मनोविज्ञान का अंत: संबंध	

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

सत्रांत परीक्षा - 70%

1. प्रश्न 1 - इकाई i पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300) 2 x 7 = 14

2. प्रश्न 2 - इकाई ii पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। 2 x 7 = 14
3. प्रश्न 3 - दोनों इकाइयों पर सात बहु पर्यायी प्रश्न। 7 x 1 = 7

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा शिक्षण - डॉ. रविंद्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी शिक्षण - डॉ. मंजू शर्मा, डॉ. बनवारीलाल जैन, शिक्षा प्रकाशन, जयपुर
3. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान बृजेश्वर वर्मा, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
4. हिंदी शिक्षण - राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी शिक्षण - उषा सिंहल, सौरभ प्रकाशन, दिल्ली
6. विशुद्ध हिंदी - डॉ. सदानंद भोसले, विकास प्रकाशन, कानपूर

◈ ◈ ◈

BA प्रथम वर्ष - द्वितीय अयन (II Semester)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
HIN : 4	(DSC-1) हिंदी साहित्य विविधा - 2	4	15 to 18
HIN : 5	(GE/OE) साहित्य और लेखन कौशल	2	19 to 21
HIN : 6	(SEC) हिंदी कंप्यूटिंग	2	22 to 25

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / द्वितीय अयन (II Semester)
DSC-1 Disicipline Specific Course (Group A-Languages)
4 Credit

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 4 DSC-1	हिंदी साहित्य विविधा-2	4

लक्ष्य (Aim) :

हिंदी कविता ने मनोरंजन के साथ-साथ उचित उपदेश देने का कार्य भी किया है। साहित्यकार इसी तरह हिंदी साहित्य की अन्य विधाओं (व्यंग्य, रेखाचित्र, एकांकी) के माध्यम से समाज उपयोगी संदेश देते रहते हैं। व्यंग्य अभिव्यक्ति की एक प्रमुख शैली है, जो अपने महीन आघात के साथ विषय के व्यापक विस्तार की क्षमता रखती है। काव्य के साथ हिंदी गद्य व्यंग्य ने भी इस शैली का बेहद सफल इस्तेमाल करते हुए समकालीन समस्याओं पर प्रकाश डाला है। रेखाचित्र एक दृश्य कला है। एक रेखाचित्र पर काम करने वाले कलाकार को नक्शानवीस या प्रारूपकार कहा जा सकता है। यह प्रक्रिया चित्रकारी के समान ही है। 'रेखाचित्र' शब्द अंग्रेजी के 'स्कैच' (sketch) शब्द का हिन्दी रूपान्तर है। जैसे 'स्कैच' में रेखाओं के माध्यम से किसी व्यक्ति या वस्तु का चित्र प्रस्तुत किया जाता है, ठीक वैसे ही शब्द रेखाओं के माध्यम से किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को उसके समग्र रूप में पाठकों के सम्मुख प्रस्तुत किया जाता है। ये व्यक्तित्व प्रायः वे होते हैं, जिनसे लेखक किसी न किसी रूप में प्रभावित रहा हो या जिनसे लेखक की घनिष्ठता अथवा समीपता हो। इस विधा के कारण हम लेखक के समकालीन व्यक्तियों से परिचित होते हैं।

एक अंक वाले नाटकों को एकांकी कहते हैं। अंग्रेजी के 'वन ऐक्ट प्ले' शब्द के लिए हिंदी में 'एकांकी नाटक' और 'एकांकी' दोनों ही शब्दों का समान रूप से व्यवहार होता है। पश्चिम में एकांकी 20वीं शताब्दी में, विशेषतः प्रथम महायुद्ध के बाद, अत्यन्त प्रचलित और लोकप्रिय हुआ। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में उसका व्यापक प्रचलन 20वीं शताब्दी के चौथे दशक में हुआ। एकांकी पाठों का सर्वप्रमुख उद्देश्य विभिन्न सन्दर्भों में संवाद बोलने की क्षमता का विकास करना है। एकांकी, नाटक का एक लघु रूप होता है। यह एक प्रकार की दृश्य विधा है। इसके पाठन से विद्यार्थी का वाचन कौशल विकसित होता है। इस तरह मानव जाति के सर्वांगीण विकास हेतु हिंदी कविता, गद्य व्यंग्य, रेखाचित्र, एकांकी साहित्य अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं के इतिहास से अवगत होंगे।

2. हिंदी साहित्य के माध्यम से संवाद कौशल सीखेंगे।
3. दृक श्राव्य माध्यमों से साहित्य का आस्वादन करेंगे।
4. विविध सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों से अवगत होंगे।
5. विविध जीवन मूल्यों से परिचय होंगे।
6. साहित्य का अध्ययन कर समाज का तटस्थता से परीक्षण करेंगे ।
7. सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास होगा।
8. मानवीय जीवन विकास हेतु वैज्ञानिक दृष्टि विकसित होगी।
9. सांस्कृतिक वैविध्य की जानकारी मिलेगी।
10. काव्य, कहानी, व्यंग्य, रेखाचित्र, एकांकी आदि विधाओं का मौलिक लेखन करना सीखेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3									2		3			2	3				
CO-2	3	3								2					2	3				3
CO-3	3	3								2	3				2	3				3
CO-4	3		3	3		1			3	2		3		3	2	3		1		3
CO-5	3						3		3	2			3		2	3			3	3
CO-6	3		3	3	3	1				2					2	3		1		3
CO-7	3						3		3	2					2	3			3	3
CO-8	2		3			1		2		2					2	3		1		2
CO-9	3								3	2		3	3		2	3				2
CO-10	1		3			1			3	2			3		2	3		1		2
Wgt Avg	2.7	3	3	3	3	1	3	2	3	2	3	3	3	3	2	3		1	3	2.66

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I (काव्य)	1. सुख दुःख - सुमित्रानंदन पन्त 2. लोहे का स्वाद - धूमिल 3. नए इलाके में - अरुण कमल 4. नदी और साबुन - ज्ञानेंद्रपति 5. माँ हो - श्योराज सिंह बेचैन 6. उतनी दूर मत ब्याहना बाबा - निर्मला पुतुल	15
इकाई - II (व्यंग्य)	1. तुम कब जाओगे अतिथि - शरद जोशी 2. दो नाकवाले लोग - हरिशंकर परसाई 3. रिश्तों से बढ़कर - नरेंद्र कोहली	15
इकाई - III (रेखाचित्र)	1. घीसा - महादेवी वर्मा 2. सुभान खां - रामवृक्ष बेनीपुरी 3. शमशु मिस्त्री - विष्णु प्रभाकर	15
इकाई - IV (एकांकी)	1. बहू की विदा - विनोद रस्तोगी 2. पृथ्वीराज की आँखें - रामकुमार वर्मा 3. महाभारत की एक साँझ - भारत भूषण अग्रवाल	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1.अंकों की लाघुत्तरी परीक्षा।

2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/ पुस्तक परीक्षण/ क्षेत्र भेंट/ लेखक/कवि का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी

सत्रांत परीक्षा - 70%

4) चारों इकाइयों पर एक -एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न, चार में से किन्हीं दो के उत्तर लिखने होंगे । 2 x 6=12

5) किन्हीं छह प्रश्नों में से तीन के उत्तर लिखने होंगे। पहली और दूसरी इकाई पर तीन प्रश्न।तीसरी और चौथी इकाई पर तीन प्रश्न। 3 x 16=48

6) चारों इकाइयों पर 10 बहुपर्यायी प्रश्न । पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो प्रश्न। तीसरी और चौथी इकाई पर तीन - तीन प्रश्न । 10 x 1 =10

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी काव्य रूप और संरचना - निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी काव्य - डॉ. सत्यनारायण सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

3. हिंदी के प्रमुख व्यंग्यकार - डॉ. स्मिता चिपलुनकर, अलका प्रकाशन, कानपूर
4. रंगमंच के सिद्धांत (संपा.) महेश आनंद, देवेंद्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. समकालीन हिंदी नाटक सृष्टि और दृष्टि - लव कुमार लवलीन, भावना प्रकाशन, दिल्ली
6. अतीत के चलचित्र - महादेवी वर्मा

◈ ◈ ◈

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / द्वितीय अयन (II Semester)

GE/OE-Generic Elective / Open Elective 02 Theory

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 5 GE/OE	साहित्य और लेखन कौशल	2

लक्ष्य (Aim) :

किसी व्यक्ति विशेष द्वारा किसी विषय पर अपने ज्ञान के आधार पर किया गया नया वर्णन जिसमें कि उसके खुद के विचार होते हैं। वह रचनात्मक लेख कहलाता है। रचनात्मकता को सृजनात्मकता भी कहा जाता है। रचनात्मतक लेखन ही सृजनात्मक लेखन है, जिसमें किसी बात को नए तरीके से या नए उपमानों के साथ प्रस्तुत किया जाता है, रचनात्मकता विचारों का उद्गम स्थल होती है। लेखन कौशल स्पष्ट लेखन कौशल रखने से व्यक्ति को कम से कम शब्दों में अपने इरादे स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में मदद मिलती है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र हिंदी साहित्य की विविध विधाओं से परिचित होंगे ।
2. छात्र आधुनिक हिंदी कवि और उनकी काव्य कृतियों से परिचित होंगे ।
3. आधुनिक कविताओं में निहित मूल्यबोध से छात्र परिचित होंगे ।
4. छात्रों को पठीत कविताओं के अध्ययन से प्राकृतिक संवर्धन का संदेश मिलेगा ।
5. छात्र विविध लेखन कौशल्य से परिचित होंगे ।
6. छात्र पत्रलेखन के महत्व और उनकी उपयोगिता को समझ पायेंगे।
7. छात्र पारिवारिक, व्यावसायिक, आवेदन, शिकायत, व्यक्तिगत आदि विविध पत्रों के प्रारूप से परिचित होंगे।
8. छात्र विज्ञापन लेखन के महत्व और उनकी उपयोगिता से परिचित होंगे।
9. छात्र ई-मेल, ब्लॉग लेखन आदि से परिचित होंगे ।
10. रिपोर्ट लेखन के विविध चरण से छात्र परिचित होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3	2				1				2						2		1		2
CO-2	3					1				2						2		1		2
CO-3	3		2				1			2			2			2			2	2
CO-4	3	2	2	2	2		1	2		2			2	2		2			2	2
CO-5	3	2				1		2		2					1	2		1		2
CO-6	3	2						2		2					1	2				2
CO-7	3	2						2		2					1	2				2
CO-8	3	2						2		2	2				1	2				2
CO-9	3	2						2		2	2				1	2				2
CO-10	3	2						2		2					1	2				2
Wgt Avg	3	2	2	2	2	1	1	2		2	2		2	2	1	2		1	2	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I (कविता)	1. वसंत आया - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला 2. कदम मिलाकर चलना होगा -अटल बिहारी वाजपेयी 3. वे हाथ - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना 4. घर की चौखट से बाहर - सुशीला टाकभौरे 5. बात बोलेगी - शमशेर बहादुर सिंह 6. पेड़ - लीलाधर जगूड़ी	15
इकाई - II (लेखन कौशल)	1. पत्र लेखन - पारिवारिक पत्र,व्यावसायिक पत्र,आवेदन पत्र , शिकायती पत्र, व्यक्तिगत पत्र। 2. रिपोर्ट लेखन 3. विज्ञापन लेखन - मुद्रित माध्यम 4. ई-मेल, ब्लॉग लेखन	15

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा

15 अंकों की अध्ययन यात्रा/पुस्तक परीक्षण/क्षेत्रीय भेंट/ लेखक/कवि आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

1. प्रश्न 1 इकाई I पर चार प्रश्न,जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300) 2 x 7 =14
2. प्रश्न 2 इकाई II पर चार प्रश्न, जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। 2x 7= 14
3. प्रश्न 3 दोनों इकाइयों पर सात बहुपर्यायी प्रश्न 7x1=7

संदर्भ ग्रंथ :

1. छायावादोत्तर हिंदी काव्य में बिंब विधान - डॉ. उषा जैन, विकास प्रकाशन, कानपूर
2. काल से होड़ लेते कवि शमशेर और ग्रेस - डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. समकालीन कविता का परिप्रेक्ष्य - डॉ. रेवती रमण, नवनीत प्रकाशन, इलाहाबाद
4. सर्वेश्वर का कविता लोक - डॉ. महेश 'दिवाकर', सुमन प्रकाशन, दिल्ली
5. दृश्य - श्रव्य माध्यम लेखन - डॉ. राजेंद्र मिश्र, ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

◈ ◈ ◈

प्रथम वर्ष कला (हिंदी) प्रथम वर्ष / द्वितीय अयन (II Semester)

SEC Skill Enhancement Course 02 Credit (Theory)

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
HIN : 6 SEC	हिंदी कंप्यूटिंग	2

लक्ष्य (Aim) :

वर्तमान युग में सूचना प्रौद्योगिकी का युग माना जाता है। है। कंप्यूटर, इंटरनेट, ईमेल, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, टेलिप्रिंटर, फ़ैक्स, मोबाईल, एस एम एस, एम एम एस आदि साधनों का प्रचूर मात्रा में प्रयोग होता है। हिंदी भाषा का प्रयोग कंप्यूटर पर दिन-ब-दिन अधिक बढ रहा है। अब हिंदी भाषा तकनीकी की भाषा बन गई है। आज शिक्षा क्षेत्र में कंप्यूटर और हिंदी भाषा का प्रयोग के साथ-साथ एक दिशावाचक भाषा बन गई है। अनुवाद के क्षेत्र में कंप्यूटर अनुवाद स्मृति, मंत्रा, अनुवादक .05, डीपएल, सिस्ट्रान अनुवाद, माइक्रोसॉफ्ट अनुवादक, शिव-शक्ति आदि अनुवाद के सॉफ्टवेयर उपलब्ध है। यूनिकोड के माध्यम से सभी कंप्यूटर और इंटरनेट पर देवनागरी फॉन्ट में समानता आयी है। कंप्यूटर, मूल रूप से नंबरों से संबंध रखते हैं। ये प्रत्येक अक्षर और वर्ण के लिए एक नंबर निर्धारित करके अक्षर और वर्ण संग्रहित करते हैं। अपनी सभी भाषाओं को कवर करने के लिए अनेक विभिन्न संकेत लिपियों की आवश्यकता होती है। लेकिन देवनागरी लिपि के सभी वर्ण और सांकेतिक चिह्न यूनिकोड में उपलब्ध है। यूनिकोड सॉफ्टवेयर प्रयोग करने के लिए बहुत ही सरल है।

कंप्यूटर पर हिंदी और इंटरनेट की दुनिया बहुत व्यापक है। आज इंटरनेट के हिंदी कार्यक्रमों का लाभ वैश्विक समुदाय निरंतर अपनी उपयोगिता के संदर्भ ले रहा है। हिंदी के इंटरनेट कार्यक्रमों द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एक-दूसरे के निकट आ गया है। इस इंटरनेट के माध्यम से हिंदी भाषा विश्वपटल पर भाषिक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह प्रभावी रूप से होता रहा है। वर्तमान में हिंदी भाषा की जानकारी या कोर्स इंटरनेट के माध्यम से बहुत नजदीक आ गया है। अब इंटरनेट पर भारतीय भाषाओं में पोर्टल तैयार है। लेकिन अधिक रूप में हिंदी भाषा प्रभावी रूप में खडी है। आज हिंदी कंप्यूटिंग पाठ्यक्रम की आवश्यकता है। इसलिए स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम का निर्माण किया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र कंप्यूटर के विभिन्न अंगो से परिचित होंगे।
2. छात्र कंप्यूटर के विभिन्न प्रयोगों से परिचित होंगे।
3. भारतीय भाषाओं के प्रचार प्रसार हेतु कंप्यूटर के महत्व को समझेंगे।
4. कंप्यूटर के माध्यम से देवनागरी लिपी का प्रयोग सीखेंगे।

5. कंप्यूटर के माध्यम से भाषा सॉफ्टवेअर से परिचित होंगे।
6. यूनिकोड के सॉफ्टवेअर से अवगत होंगे।
7. कंप्यूटर के अनुप्रयोग से हिंदी भाषा कौशलों को जानेंगे।
8. कंप्यूटर के माध्यम से मशिनी अनुवाद से अवगत होंगे।
9. कंप्यूटर के माध्यम से इंटरनेट पर भाषा का प्रयोग करना सीखेंगे।
10. ई-कॉमर्स में कंप्यूटर की सहायता से हिंदी भाषा प्रयोग के महत्व को समझेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3									1	2				2	2				2
CO-2	3									1	2				2	2				2
CO-3	3	2								1	2				2	2				2
CO-4	3	2				1				1	2				2	2		1		2
CO-5	3	2				1				1	2				2	2		1		2
CO-6	3	2				1				1	2				2	2		1		2
CO-7	3	2				1				1	2				2	2	2	1		2
CO-8	3	2				1				1	2				2	2	2	1		2
CO-9	3	2				1				1	2				2	2	2	1		2
CO-10	3	2								1	2				2	2	2			2
Wgt Avg	3	2				1				1	2				2	2	2	1		2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	1. कंप्यूटर का परिचय 2. कंप्यूटर के अनुप्रयोग 3. सूचना प्रोद्योगिकी और भारतीय भाषाएँ 4. देवनागरी लिपि और मशीनी अनुवाद के भाषिक टूल्स	15

इकाई - II	1. यूनिकोड की उपयोगिता 2. ई कॉमर्स के लिए हिंदी की उपयोगिता- 3. कंप्यूटर पर हिंदी और इंटरनेट की दुनिया 4. हिंदी भाषा शिक्षण और ईलर्निंग- 5. हिंदी भाषा से संबंधित सॉफ्टवेयर की जानकारी https://rajbhasha.gov.in/hi/inroduction वेबसाइटस् - का परिचय www.rajbhasha.nic.in www.rajabhasha.com www.indianlanguages.com www.tdil.mit.gov.in www.cdacindia.com www.dictionary.com www.bharatdarshan.co.nz www.hindinet.com www.gadnet.com www.nidatrans.com www.hindibhasha.com	15

अंक विभाजन

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

सत्रांत परीक्षा - 70%

1. प्रश्न 1 - इकाई i पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300) 2 x 7 = 14

2. प्रश्न 2-इकाई ii पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। 2 x 7 = 14
3. प्रश्न 3 - दोनों इकाइयों पर सात बहु पर्यायी प्रश्न। 7 x 1 = 7

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा और लिपि - नरेश कुमार
2. https://rajbhasha.gov.in/
3. कंप्यूटर के अनुप्रयोग - ओजस एवं श्रीवास्तव
4. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा

5. कार्यालयीन हिंदी एवं भाषा कंप्यूटिंग - डॉ. एस. के. शर्मा
6. कंप्यूटर परिचालन तत्व - राम बंसल
7. कंप्यूटर - प्रशांत शर्मा
8. कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर - डॉ. एस. के. शर्मा
9. मशीनी और मशीनी अनुवाद - वृषभ प्रसाद जैन

◈ ◈ ◈